उसका असेसमेंट नहीं हो रहा है। इन्दिरा गांधी, कांग्रेस पार्टी और भारत की जनता के पास क्या प्रिंसिपल है, इससे उसका असेसमेंट हो रहा है और यही असेसमेंट है कि हम गरीब रहते हुए, कमजोर रहते हुए भी, आज दुनिया में हमारी इज्जत है। हमारी इज्जत किसी से कम नहीं है। यह प्रिंसिपल की वजह से है।

आज अगर हम तिलमिलाते हैं, अगर हम परेशान होते हैं, हमको घबराहट होती है तो वही प्रिंसिपल हमको सहारा देता है जिसको कि हमने एक साल में या एक दिन में नहीं, हजारों वर्षों में सीखा है। आज एक साजिश चल रही है कि इन वेल्यूज और इन प्रिंसिपल्स, इन सिद्धांतों की हत्या हो। लेकिन हम अच्छी तरह से जानते हैं कि हमारे इन्ट्रेस्ट्स डेमोक्रेसी में सेफ हैं और सेफ रहेंगे।

हमारे यहां गरीबी है और यह गरीबी की समस्या एक दिन की समस्या नहीं है कि हम चुटकी बजा देंगे और गरीबी मिट जाएगी। कभी गरीबी घटेगी, कभी गरीबी बढ़ेगी लेकिन आज सबसे बड़ा सवाल है हमारे एग्जिसटेंश का। आप डाएलेक्टिकल मेटीरियलिज्म में विश्वास करते है, हिस्टोरिकल मेटीरियलिज्म में विश्वास करते हैं लेकिन इण्डिया को राम और कृष्ण जैसे बड़े सपूत मिले। उन सपूंतों को भगवान माना जाता है। राम ने नार्थ से साऊथ, अयोध्या से श्रीलंका तक यूनाईट किया, कृष्ण ने पूर्व मे पश्चिम, द्वारिका से मणिपुर और उत्तर से दक्षिण तक यूनाईट किया। अशोक द ग्रेट जिसने दुनिया को नेपोलियन की तरह जीता लेकिन अपनी तलवार को तोड़ दिया और गेरुआ वस्त्र पहनकर बुद्धं शरणं गच्छामि के साथ दो-तिहाई मानव-जाति को अहिंसा में कंवर्ट किया। यह मैथोलोजी नहीं है। राम और कृष्ण अगर मैथोलोजी है तो अशोक हिस्ट्री है। जब लोगों ने स्कूल का नाम नहीं सुना था, कालिज की बात तो छोड़ दीजिए, तब तीस हजार विद्यार्थी हमारे यहां नालन्दा में पढ़ते थे। आज भी मेरी कल्चर जिंदा है, अशोक द ग्रेट से जिंदा है।

MR. DEPUTY-SPEAKER : Mr. Jha, you can continue tomorrow.

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY : Sir, he has started from Asoka and it will take a long time to come to Gandhi.

18.00 hrs.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

Fifty-fifth Report

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, SPORTS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BUTA SINGH) : Sir, I beg to present the Fifty-fifth Report of the Business Advisory Committee.

18.01 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Tuesday, February 28, 1984/Phalguna 9, 1905 (Saka).

Printed by the Manager, Mittal Printers, K-13 Navin Shahadra Delhi-110032.